Raj Express (Indore), 6th June 2021, Page-2

हालात पिछले साल 55वें स्थान पर था इस बार मिला 78वां स्थान, टॉप 200 में तीन

एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में आईआईटी इंदौर 23 स्थान नीचे

संस्थानों ने पहली बार स्थान प्राप्त किया, इस साल की रैंकिंग में 63 भारतीय यूनिवर्सिटी ने हिस्सा लिया, जिनमें 14 संस्थान पहली बार हुए शामिल

इंदौर ■ पीयूष मौर्य

टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में आईआईटी इंदौर 23 स्थान गिरकर 78वें स्थान पर आ गया। टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में आईआईटी इंदौर को पिछले साल 55वां स्थान प्राप्त हुआ था। इस साल रैंकिंग में टॉप 200 सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी में बैंगलुरु स्थित आईआईएससी ने एशिया में 37वां स्थान प्राप्त कर भारत से सर्वश्रेष्ठ संस्थान का मुकाम हासिल किया। एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में देश की 18 यूनिवर्सिटी ने अपनी जगह बनाई है। वहीं तीन भारतीय संस्थानों को टॉप 100 लिस्ट में शामिल किया गया है। रैंकिंग के अनुसार आईआईएससी पिछले साल की तुलना में एक रैंक नीचे गिर गया है। वहीं आईआईटी रोपड़ ने आठ स्थान नीचे गिरकर एशिया में 55वें स्थान को प्राप्त किया और आईआईटी इंदौर 23 स्थान गिरकर 78वें स्थान पर आ गया। संस्थानों को उनके सभी मुख्य आधार-शिक्षण, अनुसंधान, नॉलेज शेयरिंग और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण के लिए अलग-अलग तरह से आंका जाता है।

इस साल 63 संस्थानों ने लिया हिस्सा: जानकारों की माने तो एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग हर साल तेजी से प्रतिस्पर्धी होती जा रही है। यह देखना बहुत अच्छा है कि भारत टॉप 100 में कई स्थान हासिल करना जारी रखे हुए है और टॉप 200 में तीन संस्थानों ने पहली बार स्थान प्राप्त किया है, जो बहुत प्रभावशाली है। इस साल की रैंकिंग में 63 भारतीय यूनिवर्सिटी ने हिस्सा लिया, जिनमें 14 संस्थान पहली बार शामिल हुए। लगातार दूसरे वर्ष रैंकिंग में आने वाले 49 भारतीय यूनिवर्सिटी में से अधिकांश यूनिवर्सिटी ने अपनी 2020 रैंकिंग स्थिति को बनाए रखा या सुधार किया है।

यह रहता है आंकने का तरीका: संस्थान में उपस्थित स्टूडेंट की संख्या, पास आउट की संख्या, फैकल्टी की संख्या, कितने पेपर पब्लिश्ड हुए, विदेशी स्टूडेंट की संख्या, रिसर्च से हुई इनकम, बाहर के लोगो की संस्थान के बारे में राय, संस्थान के कितने स्टूडेंट बाहर पढ़ने गए आदि। कुल 5 अलग-अलग तरीके से आंकलन किया जाता हैं।

डायनामिक हैं रैंकिंग

यह रैंकिंग डायनामिक है। संस्थान का यदि डाटा पूरा नही हुआ, रिसर्च कम हुई या रिसर्च पेपर कम पब्लिश्ड हुए, आदि बातों का भी रैंकिंग पर फर्क पड़ता है। इस बार जरूर संस्थान की रैंकिंग 78 आई है, जबकि पिछली बार 55 वें नंबर पर था।

■ **डॉ. देवेंद्र देशमुख,**
डीन एकेडमिक्स अफेयर्स, आईआईटी इंदौर